तेजयुग न्यूज देश

www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

संक्षिप्त समाचार

चार धाम यात्रा पर पड़ेगी महंगाई की मार, केदारनाथ हेली सेवा का 5 फीसदी बढ़ेगा किराया

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड चार धाम यात्रा 2024 पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को महंगाई का सामना करना पड़ेगा। बदरीनाथ, गंगेत्री-यमुनोत्री समेत चारों धामों में यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल से भारी संख्या में तीर्थ यात्री दर्शन करने को आते हैं। आगामी यात्रा सीजन में केदारनाथ धाम हेली सेवा किराया पिछले साल के मुकाबले बढ़ेगा। केदारनाथ हेली सेवा के किराये में पांच फीसदी तक बढ़ोतरी होगी। इस बार भी टिकट बुकिंग आईआरसीटीसी वेबसाइट के जरिए ही होगी। केदारनाथ सहित चारों धामों के कपाट खुलने की तिथियां घोषित हो चुकी हैं। इसी के साथ उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) के पास देशभर से हेली टिकट बुकिंग की पूछताछ आने लगी है। यूकाडा पिछले साल ही धाम के लिए तीन साल तक सेवा देने के लिए ऑपरेटर और किराया तय कर चुका है। तय शर्त के अनुसार ऑपरेटर बेसिक किराए में प्रतिवर्ष पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी कर पाएंगे, इस तरह इस बार मौजूदा किराए में पांच प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हो पाएगी। पिछले साल हेली सेवाओं का एक तरफ का किराया सिरसी से 2749, फाटा से 2750 और गुप्तकाशी से 3870 रुपये तय किया गया था। इस बार भी केदारनाथ में नौ ऑपरेटर ही सेवाएं देंगे। इसमें एक मात्र बदलाव ट्रांसभारत के रूप में हुआ है, जिसने केस्ट्रल एविएशन की जगह ली है। गत वर्ष यात्रा शुरू होने से ठीक पहले केदारनाथ धाम में हेलीकॉप्टर रोटर की चपेट में आने से यूकाडा के वित्त नियंत्रक की मौत हो गई थी। इसके बाद यूकडा ने संबंधित हेली कंपनी केस्ट्रल पर रोक लगा दी है। लेकिन एक ऑपरेटर कम होने से अन्य कंपनियों पर दबाव बढ़ गया था, इस कारण इस बार यूकाडा ने नया टेंडर जारी करते हुए केस्ट्रल एविएशन की जगह अब ट्रांसभारत को मौका दिया है।

दंगों में नुकसान पर धामी सरकार का होगा सख्त ऐक्शन, वूसली के लिए बनेगा सख्त कानून

देहरादून, एजेंसी। दंगा, हड़ताल और विरोध-प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति को होने वाले नुकसान की भरपाई का कानून सोमवार को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में आ रहा है। पुष्कर सिंह धामी सरकार उत्तराखंड में अध्यादेश के जरिए लागू कर सकती है। इस कानून के तहत सम्पत्ति को हुए नुकसान की भरपाई घटना के दिन वाले बाजार मूल्य के आधार पर उपद्रवियों से की जाएगी। विरोध-प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक और निजी सम्पत्ति को निशाने पर लेने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने के लिए गृह विभाग ने उत्तराखंड लोक एवं निजी संपत्ति क्षति वसूली कानून तैयार कर लिया है। इसे सोमवार को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक के एजेंडे में रखा गया है। इस कानून के तहत उपद्रवियों से तय समय के भीतर नुकसान की शत-प्रतिशत भरपाई की जाएगी। इसके अनुसार वसूली बाजार दर पर होगी, कुछ मामलों में यदि ट्रिब्यूनल को उचित लगता है। तो हर्जाने की वसूली कुल लागत से दोगुनी तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, सरकार इस कानून को अध्यादेश के जरिए भी लागू कर सकती है। प्रस्तावित कानून के तहत नुकसान की भरपाई के लिए रिटायर जिजा जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र ट्रिब्यूनल बनाया जाएगा, जिसे सिविल कोर्ट की शक्तियां प्रदान की जाएंगी। सार्वजनिक सम्पत्ति को हुए नुकसान की भरपाई के लिए विभागाध्यक्ष घटना के तीन महीने के भीतर ट्रिब्यूनल के सामने अपील करेंगे।

कौन हैं डॉ. माधवी लता, जिन्हें हैदराबाद से असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ भाजपा ने उतारा

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने आम चुनाव के लिए कुल 195 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। 16 राज्यों और दो केंद्र शासित राज्यों में भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की है। तेलंगाना की चर्चित हैदराबाद सीट पर भाजपा ने इस बार माधवी लता को उतारा है। फिलहाल इस सीट पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी सांसद हैं। इस सीट पर 1884 से ही ओवैसी परिवार का कब्जा रहा है। इसे ओवैसी का गढ़ माना जाता है। असदुद्दीन ओवैसी के पिता सुल्तान सलाउद्दीन ओवैसी 1984 में पहली बार इस सीट से सांसद बने थे। 2004 तक वह सांसद रहे और इसके बाद अब यह सीट असदुद्दीन ओवैसी के पास है। भाजपा ने असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ नए चेहरे को उतारा है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि ओवैसी के गढ़ में चुनाव लड़ने वाली महिला डॉ. माधवी लता आखिर कौन हैं। डॉ. माधवी विरिंची हॉस्पिटल की चेयरपर्सन हैं। वह सोशल मीडिया पर भी ऐक्टिव रहती हैं। हिंदुत्व के लिए वह अकसर मुखर होती दिखाई देती हैं। अस्पताल की चेयरपर्सन होने के अलावा माधवी लता भरतनाट्यम डांसर भी हैं। हैदराबाद में वह सामाजिक कामों में भी ऐक्टिव रहती हैं। उनके ट्रस्ट और संस्थाएं हेल्थकेयर, शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

सीट शेयरिंग में रहेगा भाजपा का दबदबा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा कर दी है, लेकिन महाराष्ट्र को लेकर तस्वीर अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। एनडीए एवं विपक्षी गठबंधन दोनों का मानना है कि लोकसभा में उत्तर प्रदेश के बाद सर्वाधिक संख्या में सांसद भेजने वाले महाराष्ट्र में सीट आवंटन का एक मात्र फार्मूला जीत की संभावना है। महाराष्ट्र में 2019 के बाद से कई बार राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है। वर्ष 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भाजपा के साथ अपने पुराने गठबंधन को तोड़ दिया था फिर शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को भी दलों में विभाजन का सामना करना पड़ा। शिवसेना के अधिकतर विधायक अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ हैं जिन्होंने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया हैं। इसके अलावा अजित पवार भी अपने समर्थक पार्टी विधायकों के साथ पिछले साल शरद पवार नीत एनसीपी से अलग होकर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हो गए। सत्तारूढ़ एवं विपक्षी दलों के नेताओं ने बताया कि दलों के विभाजन के बाद समीकरण बदलने के कारण सीटों का बंटवारा एक मुश्किल काम हो गया है। भाजपा ने तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के साथ मिलकर 2019 में 41 सीट पर जीत हासिल की थी और इस बार भाजपा ने अपने राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 45 सीट जिताने का लक्ष्य रखा है जबकि विपक्षी कांग्रेस

2019 का प्रदर्शन नहीं दोहराना चाहेगी जब उसे मात्र एक सीट पर जीत मिली थी। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीट बंटवारे के मामले पर केंद्रीय नेतृत्व के साथ चर्चा की जा रही है। विपक्षी गठबंधन 'महा विकास आघाडी' में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी का शरद पवार नीत धड़ा और कांग्रेस शामिल हैं। विपक्षी गठबंधन प्रकाश आंबेडकर नीत वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) को लुभाने की कोशिश कर रहा है लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर के पौत्र ने इस बारे में अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। 30 से अधिक सीटों पर लड़ने की तैयारी में भाजपा सूत्रों के अनुसार, भाजपा के 30 से अधिक सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 10 सीट मांगी हैं लेकिन उसे चार सीट मिलने की संभावना है। शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी 18 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वर्ष 2019 के चुनावों में अविभाजित शिवसेना ने 18 सीट पर ही जीत हासिल की थी। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने कहा कि उनकी पार्टी पुणे की बारामती सहित 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सीटों के आवंटन पर कहा कि एमवीए ने वार्ता पूरी कर ली है और घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व जल्द ही इस संबंध में घोषणा करेगा। इस बीच, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उन सीटों पर चर्चा जारी है जिन पर उसने अविभाजित एनसीपी के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था लेकिन 2019 के चुनावों में शिवसेना ने उन पर जीत हासिल की थी। जबकि एनसीपी-शरदचंद्र पवार नौ से 10 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि प्रकाश आंबेडकर कितनी सीटों की मांग कर सकते हैं। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा कि अगर वीबीए के साथ गठबंधन नहीं हुआ तो आंबेडकर 2019 की तरह ही कम से कम आधा दर्जन सीटों पर कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राजस्थान में 7 प्रत्याशी नए, शेखावत, मेघवाल और चौधरी समेत 8 प्रत्याशी रिपीट

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से 15 के लिए प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने 7 नए प्रत्याशियों को टिकट दिया है। जबकि 8 प्रत्याशी रिपीट किए है। मोदी कैबिनेट में शामिल तीनों मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत और कैलाश चौधरी पर फिर विश्वास जताया गया है। चूरू से रामसिंह कस्वां का टिकट काट दिया है। जबकि नागौर से ज्योति मिर्धा को टिकट दिया गया है। बता दें ज्योति मिर्धा को विधानसभा का चुनाव हारने के बाद भी टिकट दिया गया है। बीकानेर - अर्जुन राम मेघवाल, चुरू - देवेंद्र झाझड़िया,सीकर - सुमेधानंद सरस्वती. अलवर - भूपेंद्र यादव ,नागौर - ज्योति मिर्धा, पाली - पीपी चौधरी, जोधपुर - गजेंद्र सिंह शेखावत. बाड़मेर - कैलाश चौधरी, जालोर - लुंबाराम चौधरी,उदयपुर - मन्नालाल रावत, बांसवाड़ा - महेंद्रजीत सिंह मालवीय, चित्तौड़गढ़ - सीपी जोशी, कोटा - ओम बिरला झालावाड़ - दुष्यंत सिंह और भरतपुर - रामस्वरूप कोली को टिकट दिया है। बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट में राजस्थान के लिए 15 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को अलवर से टिकट दिया है। भूपेंद्र यादव पहली बार चुनावी मैदान में उतरे है। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी ने अलवर से भूपेंद्र यादव को टिकट देकर यादव कार्ड खेला है।

दिल्ली में बदरपुर फ्लाईओवर पर ट्रक और कार में भीषण भिड़ंत, 3 लोगों की मौत; 4 की हालत गंभीर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बदरपुर फ्लाईओवर पर शनिवार आधी रात को एक ट्रक और ऑल्टो कार में जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। तीनों मृतक एक ही कॉलोनी के रहने वाले थे और फरीदाबाद में शादी में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। हादसे के वक्त कार में कुल 7 लोग सवार थे। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, बदरपुर थाना में शनिवार रात 12:48 बजे एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कॉलर ने बताया कि होंडा शोरूम के पास बदरपुर फ्लाईओवर पर कार और ट्रक की टक्कर हो गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि कार संख्या P}zB27334 फरीदाबाद में एक शादी में शामिल होकर लौट रही थी। कार में 7 लोग सवार थे। बदरपुर फ्लाईओवर पर कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकराकर विपरीत दिशा में चली गई और एक ट्रक संख्या ह्स01ब8898 से टकरा गई। सभी सात लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी घायल ऑल्टो कार में सवार थे और हरकेश नगर पल्ला फरीदाबाद में अपने रिश्तेदार सोहन लाल की शादी के रिसेप्शन में शामिल होकर आ रहे थे। घायल अंशुल 10वीं कक्षा का छात्र है और फिलहाल उसकी बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। वहीं, 38 वर्षीय मृतक संजू शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं, जबकि बाकी सभी अविवाहित हैं। छह व्यक्ति मथुरा (यूपी) से हैं और एक संजू त्रिपुरा से है, वे सभी स्थायी रूप से ओखला में बस गए हैं। अंशुल को छोड़कर बाकी सभी लोग कतरन (कपड़े का टुकड़ा) का इकट्ठा करते थे और उसे आगे बेचते थे। जांच अधिकारी के अनुसार, डॉक्टर ने उन्हें मौखिक रूप से बताया है कि सभी ने शराब पी हुई थी।

साय? सरकार का ऐलान, 12 मार्च को किसानों के खातों में आएंगे 13 हजार करोड़ रुपए

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों शनिवार को किसानों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। प्रदेश के किसानो को धान की अंतर की राशि लगभग 13 हजार करोड़ रुपए आने वाले 12 मार्च को दिए जाने की घोषणा सीएम साय ने की है। इसके साथ ही सीएम ने पत्थलगांव में लिंक कोर्ट शुरू करने की बात कही है। बतादें कि सीएम विष्णुदेव साय आज जशपुर के दौरे पर थे जहां उन्होंने किसानों के साथ-साथ कई बड़ी घोषणा की है।

छत्तीसगढ़ के सीएम आज जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम तामामुंडा में स्थित गिरी गोवर्धन धाम के सार्वजनिक सांस्कृतिक मंडप सहित अखिल भारतीय महाकुल समाज लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। जहां सीएम साय ने 12 मार्च को किसानों को धान के अंतर की राशि लगभग 13 हजार करोड़ रुपए का भुगतान करने की बात कही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्थलगांव में लिंक कोर्ट प्रारंभ करने की घोषणा भी की। उन्होंने गिरी गोवर्धन पर्वत के सुगम सीसी मार्ग निर्माण के लिए 32 लाख रुपए, फरसाबहार में सांस्कृतिक मंडप के लिए 10 लाख रुपए, शिवमन्दिर से कासाटोली 12 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की।

देश भर में दौड़ेंगी अमृत भारत ट्रेनें; 1 हजार से अधिक का हो रहा निर्माण

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत आने वाले वर्षों में नई पीढ़ी की करीब 1,000 अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को खुद यह बात कही। उन्होंने बताया कि 250 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेन बनाने का काम जारी है। वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने वंदे भारत ट्रेनों के निर्यात पर काम पहले ही करना शुरू कर दिया है और देश द्वारा पहला निर्यात अगले पांच वर्षों में किए जाने की उम्मीद है। नरेंद्र मोदी नीत सरकार के पिछले 10 वर्षों में रेलवे की ओर से की गई परिवर्तनकारी पहलों पर उन्होंने बयान दिया। रेल मंत्री ने कहा कि दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल (चिनाब पुल) और नदी के नीचे पहली जल सुरंग (कोलकाता मेट्रो के लिए) रेल क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति है। वैष्णव ने जारी बुलेट ट्रेन परियोजना के हिस्से के रूप में मुंबई और ठाणे के बीच भारत की पहली समुद्र के नीचे सुरंग के निर्माण की शुरुआत पर भी बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल 5 देश हैं जिनके पास ऐसी तकनीक है। मुंबई और ठाणे के बीच 21 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित सुरंग में 9.7

किलोमीटर की दूरी समुद्र से होकर गुजरेगी, जो इसकी सतह से 54 मीटर नीचे होगी। वैष्णव ने रेलवे के किराया संरचना और उसकी सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा, 'हर साल लगभग 700 करोड़ लोग रेलवे से सफर करते हैं। व्यावहारिक रूप से प्रतिदिन ढाई करोड़ लोग रेलवे से सफर करते हैं। किराया संरचना ऐसी है कि अगर एक व्यक्ति को ले जाने की लागत 100 रुपये है, तो हम 45 रुपये लेते हैं। इसलिए हम रेलवे से यात्रा करने वाले हर व्यक्ति को औसतन 55 प्रतिशत की छूट देते हैं।

विश्व स्तरीय अमृत भारत ट्रेन की डिजाइन: वैष्णव : मंत्री ने कहा कि हमने अमृत भारत ट्रेन डिजाइन की है, जो एक विश्व स्तरीय ट्रेन है। इसके जरिए केवल 454 रुपये के खर्च पर 1,000 किलोमीटर की यात्रा की जा सकती है। वैष्णव ने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में कम से कम 1,000 नई पीढ़ी की अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण करेगा और 250 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेन बनाने का काम जारी है। उन्होंने रेलवे के कुल वार्षिक व्यय का ब्यौरा दिया। उन्होंने कहा कि पेंशन, वेतन, ऊर्जा खर्च और पट्टा-ब्याज भुगतान पर व्यय क्रमशः 55,000 करोड़ रुपये, 97,000 करोड़ रुपये, 40,000 करोड़ रुपये और 32,000 करोड़ रुपये है।

आज रेलवे स्टेशन 10 साल पहले की तुलना में बहुत अलग : रेल मंत्री ने कहा कि अन्य 12,000 करोड़ रुपये रखरखाव पर खर्च होते हैं और सभी मिलकर लगभग 2.40 लाख करोड़ रुपये होते हैं। वैष्णव ने कहा, %हम इन सभी खर्चों को पूरा करने में सक्षम हैं क्योंकि टीम प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बहुत कड़ी मेहनत कर रही है। आज रेलवे स्टेशन 10 साल पहले की तुलना में बहुत अलग हैं। स्टेशन और ट्रेनें साफ-सुथरी हैं और हर ट्रेन में जैव-टॉयलेट है।% रेल मंत्री के मुताबिक, नई तकनीक के आने से वंदे भारत जैसी ट्रेनें युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई हैं। वैष्णव ने कहा कि व्यावहारिक रूप से हर हफ्ते एक वंदे भारत ट्रेन बेड़े में शामिल हो रही है। हम आने वाले कुछ वर्षों में ही कम से कम 400 से 500 ट्रेन का निर्माण करेंगे।

राहुल गांधी ने धौलपुर में किया रोड शो, बोले- बांग्लादेश-पाकिस्तान से ज्यादा बेरोजगारी

धौलपुर, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज राजस्थान के धौलपुर में रोड शो किया। पांच दिन के ब्रेक के बाद शनिवार को धौलपुर में राहुल गांधी ने न्याय यात्रा निकाली। ढाई किलोमीटर के रोड शो के बाद यात्रा मध्यप्रदेश के मुरैना में प्रवेश कर गई है। यात्रा में शामिल होने के लिए राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज धौलपुर पहुंचे थे। यहां पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार पर कई आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि हथियार बनाने वाली विदेशी कंपनियों को कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। अडानी पार्टनर बनकर पैसा कमाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत में पाकिस्तान-बांग्लादेश से ज्यादा बेरोजगारी है। 22 लोगों के पास 50 प्रतिशत धन है। बता दें राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार दोपहर को फिर से शुरू हो गई। दोपहर को राहुल गांधी दिल्ली से हेलीकॉप्टर से सीधे धौलपुर पहुंचे। इसके बाद राजाखेड़ा बाईपास से खुली गाड़ी से रोड शो की शुरुआत हुई। करीब 3 किलोमीटर तक राहुल गांधी ने धौलपुर में रोड शो किया। इसके बाद यात्रा

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश कर गई।

सचिन पायलट नहीं हुए रोड शो में शामिल : कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने शनिवार को धौलपुर पहुंच गए थे, सर्किट हाउस में मीडिया से वार्ता भी की थी, लेकिन दोपहर के बाद जैसे ही राहुल गांधी का रोड शो शुरू हुआ, तो सचिन पायलट उनके साथ दिखाई नहीं दिए। राहुल गांधी के साथ रोड शो में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, सुखविंदर सिंह रंधावा समेत राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा, धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा एवं बसेड़ी विधायक संजय जाटव मौजूद रहे। सचिन पायलट मुरैना रवाना हो गए। मुरैना में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का रोड शो किया जाएगा। धौलपुर शहर के राजाखेड़ा बाईपास से सागर पाड़ा चेक पोस्ट तक राहुल गांधी का रोड शो हुआ।

हिमाचल कांग्रेस में रार बरकरार, सीएम सुक्खू के साथ तीखी बहस के बाद कैबिनेट मीटिंग छोड़ गए 2 मंत्री

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर और सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए संकट अभी खत्म होता नहीं दिख रहा है। शनिवार को सुक्खू कैबिनेट की बैठक के दौरान जबर्दस्त नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। नीतिगत फैसलों को लेकर 'तीखी बहस' के बाद मंत्री जगत नेगी और रोहित ठाकुर बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए।

सूत्रों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हालांकि उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा कथित तौर पर मनाए जाने के बाद शिक्षा मंत्री ठाकुर बैठक में वापस लौट आए। कांग्रेस हिमाचल में अपने 6 विधायकों द्वारा राज्यसभा चुनाव में राज्य की एकमात्र सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को वोट देने के बाद राज्य में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट को दूर करने का प्रयास कर रही है। राजस्व मंत्री नेगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में बैठक निर्धारित समय दोपहर 11 बजे के बजाय दोपहर लगभग 12:30 बजे शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी और कार्यक्रम में जाना था और उन्हें देर हो रही थी, इसलिए वह बैठक बीच में ही छोड़कर चले गए थे। रोहित ठाकुर ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करने के दौरान कैबिनेट मीटिंग बीच में छोड़कर जाने पर साफ दी। उन्होंने कहा कि वह किसी से मिलने के लिए कुछ देर के लिए बैठक छोड़कर चले गए थे, लेकिन बाद में वापस लौट आए थे। सूत्रों ने हालांकि बताया कि मंत्रियों के जाने से पहले, कुछ नीतिगत निर्णयों पर 'तीखी बहस' हुई थी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने घटना का जिक्र करते हुए कहा कि राजनीति समझौतों का खेल है और पार्टी के हित में बेहतर समझ होनी चाहिए। इससे पहले दिन में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के बागी विधायक राजेंद्र राणा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुक्खू की कार्यशैली से 'घुटन महसूस कर रहे' पार्टी के नौ और विधायक उनके संपर्क में हैं। राणा ने कांग्रेस के पांच अन्य विधायकों के साथ राज्यसभा चुनावों में 'क्रॉस वोटिंग' की थी।

कैबिनेट ने इन कामों को दी मंजूरी : इस बीच, कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आबकारी नीति को मंजूरी दे दी और पशु चिकित्सा अधिकारियों का समर्थन करने के लिए पशुपालन विभाग में 1,000 श्रमिकों को शामिल करने की मंजूरी दे दी।

कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग में जेओए (आईटी) के 30 पद और लोक निर्माण विभाग की वास्तु इकाई में वरिष्ठ 'ड्राफ्ट्समैन' के चार रिक्त पद भरने को भी मंजूरी दी है। इसमें 10 खाद्य सुरक्षा वाहन खरीदने और स्वास्थ्य विभाग में 10 खाद्य विश्लेषकों, 10 परिचारकों और 10 चालकों की सेवाएं लेने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए ग्राम पंचायत मशोबरा और बेओलिया के और क्षेत्रों को नगर निगम शिमला के दायरे में शामिल करने को मंजूरी दी।

वरुण गांधी का टिकट कटना तय, मेनका को लेकर भी संशय

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने लोकसभा चुनावों के लिए घोषित पहली सूची में प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी समेत 195 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं, लेकिन इनमें बिहार, महाराष्ट्र व कर्नाटक जैसे बड़े राज्य बाकी हैं, जहां गठबंधन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अधिकांश पुराने चेहरों पर दिखाया भरोसा दिखाया है, लेकिन दिल्ली में भावी रणनीति को देखते हुए कई चेहरे बदले हैं। क्षत्रपों में भी फेरबदल किया गया है और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय राजनीति में लाया जा रहा है। मेनका व वरुण गांधी पर अभी पेंच फंसा है, जबकि बिगड़े बोल वाले नेताओं से दूरी बनाई गई है। पार्टी ने राज्यसभा के 11 सांसदों को भी लोकसभा के मैदान में उतारा है।

बड़े नेता फिर से मैदान में : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार वाराणसी सीट से चुनाव मैदान में हैं। वहीं, लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमेठी से महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, चंदौली से केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, लखीमपुर-खीरी से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा (टेनी) महराजगंज से केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और मोहनलालगंज से राज्य मंत्री कौशल किशोर को फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है। मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, फैजाबाद (अयोध्या) से लल्लू सिंह को

टिकट दिया गया है। पहली सूची में पांच महिला उम्मीदवारों को मौका मिला है, जिसमें हेमा मालिनी (मथुरा), केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति (फतेहपुर), स्मृति ईरानी (अमेठी), रेखा वर्मा (धौरहरा) और नीलम सोनकर (लालगंज) अपने क्षेत्रों से तीसरी बार अपनी किस्मत आजमाएंगी।

मेनका-वरुण पर पेंच, कई सीटें अभी रुकी : उत्तर प्रदेश की 29 और उत्तराखंड की दो सीटें अभी बाकी हैं। हालांकि, इनके समीकरण अलग-अलग हैं। इनमें मेनका गांधी और वरुण गांधी की सीटें भी शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि वरुण गांधी को टिकट नहीं देना है, जबकि मेनका की सीट को लेकर फैसला होना बाकी है। मेनका को लेकर एक वर्ग में संशय भी है। उत्तराखंड की गढ़वाल और हरिद्वार सीट पर भी पेंच फंसा है। गढ़वाल के साथ पूर्वी दिल्ली को भी रोका गया है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और रमेश पोखरियाल निशंक को लेकर फैसला नहीं कर पाई है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को भी लोकसभा चुनाव लड़ाना है। पूर्वी दिल्ली में भी उत्तराखंडी मतदाताओं की ज्यादा संख्या होने से इसे भी रोका गया है। राजस्थान की अभी 15 सीटें घोषित हुई हैं। इनमें भाजपा ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला और चार केंद्रीय मंत्रियों अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी एवं भूपेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे एवं सांसद दुष्यंत सिंह को एक बार फिर झालावाड़-बारां सीट से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस से भाजपा में आए महेंद्रजीत मालवीय और ज्योति मिर्धा को भी लोकसभा का टिकट दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी एक बार फिर चित्तौड़गढ़ सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने चुरू से नए चेहरे देवेंद्र झाझड़िया को टिकट दिया है।